भारत में बैंकिंग / Banking In India

बैंक क्या है?

एक बैंक एक वित्तीय संस्थान है जो जमा और ऋण देने का कार्य करता है। एक बैंक अतिरिक्त पैसे वाले व्यक्ति (सेवर) को अपना पैसा बैंक में जमा करने की अनुमति देता है और ब्याज दर अर्जित करता है। इसी प्रकार, बैंक एक ऐसे व्यक्ति को उधार देता है जिसे धन की आवश्यकता होती है (निवेशक/उधारकर्ता) ब्याज दर पर। इस प्रकार, बैंक बचतकर्ता और उधारकर्ता के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करते हैं।

बैंक आमतौर पर जनता से बहुत कम दर पर जमा लेता है जिसे जमा दर कहा जाता है और उधारकर्ता को उच्च ब्याज दर पर पैसा उधार देता है जिसे उधार दर कहा जाता है।

जमा और उधार दर के बीच के अंतर को 'शुद्ध ब्याज प्रसार' कहा जाता है, और ब्याज प्रसार से बैंक की आय होती है।

बैंकों के कार्य

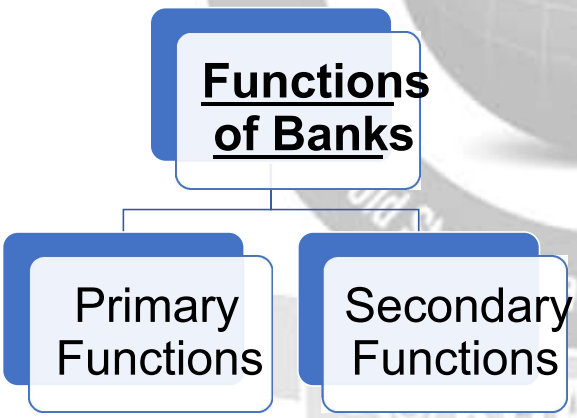

बैंकों के दो प्रकार के कार्य हैं:

- **प्राथमिक कार्य** - जमा स्वीकार करना, ऋण और अग्रिम प्रदान करना।
- **माध्यमिक / द्वितीयक कार्य** - एजेंसी कार्य, उपयोगिता कार्य।

प्राथमिक कार्य / (Primary Function)

- वाणिज्यिक बैंकों के प्राथमिक कार्य जनता से धन जुटाने और उधारकर्ताओं को इन निधियों के आवंटन के आसपास घूमते हैं, जिन्हें उनकी विभिन्न वित्तीय आवश्यकताओं के लिए आवश्यकता होती है, जिससे आर्थिक विकास और विकास की सुविधा मिलती है।

वाणिज्यिक बैंकों के प्राथमिक कार्यों में शामिल हैं:

a) जमा स्वीकार करना /Accepting Deposits

वाणिज्यिक बैंक व्यक्तियों और व्यवसायों से जमा स्वीकार करते हैं, जिसमें चेकिंग खाते, बचत खाते और सावधि जमा जैसे जमा प्रमाणपत्र (सीडी) शामिल हैं।

b) ऋण प्रदान करना /Providing Loans

बैंक व्यक्तियों और व्यवसायों को विभिन्न उद्देश्यों के लिए पैसा उधार देते हैं, जैसे घर खरीदना, व्यवसाय शुरू करना या किसी परियोजना के लिए धन देना।

माध्यमिक/द्वितीयक कार्य /(Secondary Function)

1. **एजेंसी कार्य (Agency Function)**

(i) धन का हस्तांतरण /Transfer of Funds:- बैंक डिमांड ड्राफ्ट, मेल ट्रांसफर आदि जैसे उपकरणों की मदद से एक स्थान से दूसरे स्थान तक किफायती और आसान धन प्रेषण की सुविधा प्रदान करते हैं।

(ii) विभिन्न मदों का संग्रह और भुगतान /Collection and Payment of Various Items:- वाणिज्यिक बैंक अपने ग्राहकों की ओर से चेक, बिल, ब्याज, लाभांश, सदस्यता, किराए और अन्य आवधिक रसीदें एकत्र करते हैं और अपने ग्राहकों के स्थायी निर्देशों पर कर, बीमा प्रीमियम आदि का भुगतान भी करते हैं।

(iii) विदेशी मुद्रा की खरीद और बिक्री /Purchase and Sale of Foreign Exchange:- कुछ वाणिज्यिक बैंकों को केंद्रीय बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा में लेनदेन करने के लिए अधिकृत किया जाता है। वे अपने ग्राहकों की ओर से विदेशी मुद्रा खरीदते और बेचते हैं और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

(iv) प्रतिभूतियों की खरीद और बिक्री /Purchase and Sale of Securities:- वाणिज्यिक बैंक अपने ग्राहकों की ओर से निजी कंपनियों के शेयरों और सरकारी प्रतिभूतियों को खरीदते और बेचते हैं।

(v) आयकर परामर्श /Income Tax Consultancy:- वे अपने ग्राहकों को आयकर से संबंधित मामलों पर सलाह भी देते हैं और यहां तक कि उनका आयकर रिटर्न भी तैयार करते हैं।

2. सामान्य उपयोगिता कार्य (General Utility Function)

☞ **वाणिज्यिक बैंक कुछ सामान्य उपयोगिता सेवाएं प्रदान करते हैं जैसे:**

(i) लॉकर सुविधा /Locker Facility:- वाणिज्यिक बैंक ग्राहकों के मूल्यवान सामानों को सुरक्षित अभिरक्षा में रखने के लिए सुरक्षा तिजोरी या लॉकर की सुविधा प्रदान करते हैं।

(ii) ट्रैवेलर्स चेक /Traveller's Cheques:- वाणिज्यिक बैंक अपने ग्राहकों को यात्रा के दौरान नकदी लेने के जोखिम से बचने के लिए ट्रैवेलर्स चेक जारी करते हैं।

(iii) साख पत्र / Letter of Credit:- वे अपने ग्राहकों को उनकी साख प्रमाणित करने के लिए साख पत्र भी जारी करते हैं।

(iv) सांख्यिकी का संग्रह /Collection of Statistics:- बैंक व्यापार, वाणिज्य और उद्योग से संबंधित आंकड़े एकत्र और प्रकाशित करते हैं। इसलिए, वे वित्तीय मामलों पर ग्राहकों को सलाह देते हैं। वाणिज्यिक बैंक जनता से जमा प्राप्त करते हैं और इन जमाओं का उपयोग ऋण देने के लिए करते हैं। हालांकि, पेश किए गए ऋण बैंकों द्वारा प्राप्त जमा राशि से कई गुना अधिक हैं। बैंकों के इस कार्य को श्मनी क्रिएशनश के नाम से जाना जाता है।

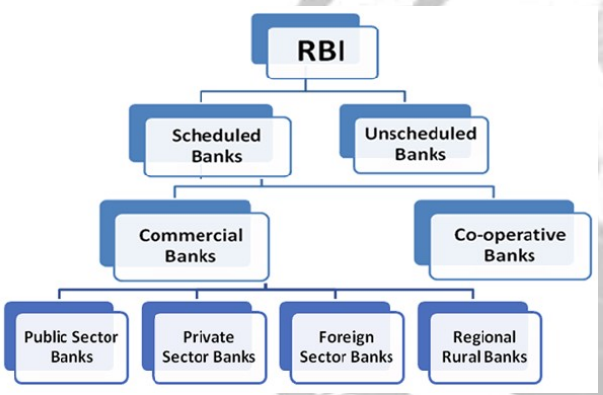

अनुसूचित बैंक बनाम गैर-अनुसूचित बैंक

तुलना के लिए आधार	अनुसूचित बैंक	गैर-अनुसूचित बैंक
अर्थ	अनुसूचित बैंक एक बैंकिंग निगम है जिसकी न्यूनतम चुकता पूंजी रुपये है। 5 लाख और जमाकर्ताओं के हित को नुकसान नहीं पहुंचाता है।	गैर-अनुसूचित बैंक वे बैंक हैं जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्दिष्ट नियमों का पालन नहीं करते हैं, या कहें कि वे बैंक जो अनुसूचित बैंकों की श्रेणी में नहीं आते हैं।
दूसरी अनुसूची	दूसरी अनुसूची में सूचीबद्ध।	दूसरी अनुसूची में सूचीबद्ध नहीं है।
नकद आरक्षित अनुपात	आरबीआई के पास रखा।	अपने पास बनाए रखा।
उधार	अनुसूचित बैंकों को नियमित बैंकिंग उद्देश्यों के लिए आरबीआई से धन उधार लेने की अनुमति है।	गैर-अनुसूचित बैंकों को नियमित बैंकिंग उद्देश्यों के लिए आरबीआई से धन उधार लेने की अनुमति नहीं है।
रिटर्न	समय-समय पर प्रस्तुत किया जाना है।	आवधिक रिटर्न जमा करने का ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।
समाशोधन गृह के सदस्य	यह क्लियरिंग हाउस का सदस्य बन सकता है।	यह समाशोधन गृह का सदस्य नहीं बन सकता है।

वाणिज्यिक बैंकों का वर्गीकरण /Classification of Commercial Banks

☞ वाणिज्यिक बैंक भारत में स्वामित्व और प्रबंधन नियंत्रण के आधार पर दो व्यापक श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है, अर्थात्:

- ❑ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक
- ❑ निजी क्षेत्र के बैंक
- ❑ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

☞ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारत में अधिकांश बैंकिंग व्यवसाय के लिए खाते हैं और दो प्रकारों में विभाजित हैं:

Public sector banks account for the majority of the banking business in India and are divided into two types:

- ❑ भारतीय स्टेट बैंक
- ❑ राष्ट्रीयकृत बैंक (11)

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक /(Public Sector Banks)

☞ ये वे बैंक हैं जिनमें भारत सरकार की बहुमत हिस्सेदारी है।

☞ इस समूह में भारतीय स्टेट बैंक, भारत का सबसे बड़ा वाणिज्यिक बैंक शामिल है।

☞ भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 ने तत्कालीन मौजूदा इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया को भारतीय स्टेट बैंक में परिवर्तित करके भारतीय स्टेट बैंक की स्थापना की।

☞ 1955 में भारतीय स्टेट बैंक के गठन के बाद, 1969 और 1991 के बीच अन्य 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया। ये ऐसे बैंक थे जिनके राष्ट्रीय जमा में 50 करोड़ से अधिक थे।

☞ 1980 में अन्य छह बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया, जिससे कुल संख्या बीस हो गई।

☞ स्टेट बैंक समूह के गठन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार में तेजी लाना था।

☞ प्रमुख वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण करने का निर्णय पूरे देश में, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में शाखाएं खोलने और उत्पादक उद्देश्यों के लिए ऋण देने के उद्देश्य से बड़ी मात्रा में जमा राशि जुटाने के लक्ष्य के साथ किया गया था।

☞ वर्तमान में, भारत में कुल 11 राष्ट्रीयकृत बैंक हैं।

☞ SBI को राष्ट्रीय बैंक माना जाता है

निजी क्षेत्र के बैंक / (Private Sector Banks)

☞ निजी क्षेत्र के बैंक दो प्रकार के होते हैं- पुराने निजी क्षेत्र के बैंक और नए निजी क्षेत्र के बैंक।

☞ पुराने निजी क्षेत्र के बैंक वे निजी क्षेत्र के बैंक हैं जो राष्ट्रीयकरण के समय मौजूद थे।

☞ 1993 से पहले भारत में कोई नया बैंक स्थापित नहीं किया जा सका।

☞ भारतीय रिजर्व बैंक ने 1993 में भारत में नए निजी क्षेत्र के बैंकों की स्थापना के लिए दिशानिर्देश जारी किए।

- बैंक की शेयर पूंजी का अधिकांश हिस्सा निजी व्यक्तियों के पास होता है। इन बैंकों को सीमित-देयता निगमों के रूप में स्थापित किया गया है।
- निजी क्षेत्र के बैंकों में आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी और अन्य शामिल हैं।

विदेशी बैंक / (Foreign Banks)

- ये बैंक पंजीकृत हैं और उनका मुख्यालय दूसरे देश में है, लेकिन हमारे देश में उनकी शाखाएँ हैं।
- अब तक, 2021 में भारत में लगभग 46 विदेशी बैंक काम कर रहे हैं।
- भारत में विदेशी बैंकों में एचएसबीसी, सिटी बैंक, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक और अन्य शामिल हैं।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक / (Regional Rural Banks)

- कृषि और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पर्याप्त संस्थागत ऋण सुनिश्चित करने के लक्ष्य के साथ 26 सितंबर, 1975 को जारी अध्यादेश और आरआरबी अधिनियम, 1976 के प्रावधानों के अनुसार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना की गई थी।
- आरआरबी केवल उन क्षेत्रों में काम कर सकते हैं जिन्हें भारत सरकार द्वारा राज्य में एक या एक से अधिक जिलों को कवर करने के लिए नामित किया गया है।
- आरआरबी संयुक्त रूप से भारत सरकार, संबंधित राज्य सरकार और प्रायोजक बैंकों के स्वामित्व में हैं; आरआरबी की जारी की गई पूंजी मालिकों के बीच क्रमशः 50%, 15% और 35% के अनुपात में विभाजित होती है।

गैर अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक / (Non -Scheduled Banks)

- इन बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की दूसरी अनुसूची में नहीं जोड़ा गया है।
- कुछ सहकारी बैंक भी इसी श्रेणी में आते हैं
- भारत में गैर अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में कैपिटल लोकल एरिया बैंक लिमिटेड - फगवाड़ा (पंजाब), कृष्णा भीमा समृद्धि लोकल एरिया बैंक लिमिटेड, महबूबनगर (आंध्र प्रदेश), सुभद्रा लोकल एरिया बैंक लिमिटेड, कोल्हापुर (महाराष्ट्र) और कोस्टल लोकल एरिया बैंक शामिल हैं। विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश

Commercial Banks VS Cooperative Bank

सहकारी बैंक	वाणिज्यिक बैंक
सहकारी बैंक सहयोग के सिद्धांत पर काम करते हैं	वाणिज्यिक बैंक लाभ कमाने के सिद्धांत पर काम करते हैं
सहकारी बैंकों का स्वामित्व और संचालन सदस्यों द्वारा किया जाता है, जो इसके ग्राहक हैं	वाणिज्यिक बैंकों का स्वामित्व और निजी व्यक्तियों के पास होता है
सहकारी बैंकों का गठन विभिन्न राज्यों द्वारा विभिन्न अधिनियमों के तहत किया जाता है	वाणिज्यिक बैंकों का गठन संसद द्वारा पारित एक समान अधिनियम द्वारा किया जाता है
सहकारी बैंकों में 3 स्तरीय प्रणाली होती है- शीर्ष स्तर, जिला स्तर और प्राथमिक सहकारी समितियाँ	वाणिज्यिक बैंकों के पास ऐसा कोई पदानुक्रम नहीं है
सहकारी बैंक विदेशों में अपनी शाखा नहीं खोल सकते	वाणिज्यिक बैंक विदेशों में अपनी शाखाएँ खोल सकते हैं

टिप्पणी

- भारत का सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक- **भारतीय स्टेट बैंक**
- भारत में सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का बैंक -**एचडीएफसी बैंक**
- भारत में सबसे बड़ा विदेशी बैंक -**स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक**
- भारत में अधिक शाखाओं वाला बैंक - **भारतीय स्टेट बैंक**

●●●

Kisan Cold Storage Campus, Musallahpur, Patna
KHAN SIR

भारतीय बैंकिंग प्रणाली में प्रथम

- भारत में पहला बैंक **बैंक ऑफ हिंदुस्तान था (1770)**
- भारतीयों द्वारा प्रबंधित पहला बैंक **अवध कमर्शियल बैंक** था
- भारतीय पूंजी वाला पहला बैंक **पंजाब नेशनल बैंक था (बैंक के संस्थापक लाला लाजपत राय हैं)**
- भारत में पहला विदेशी बैंक **HSBC** है
- आईएसओ प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाला पहला बैंक **केनरा बैंक** है
- भारत के बाहर पहला भारतीय बैंक **बैंक ऑफ इंडिया** है
- एटीएम शुरू करने वाला पहला बैंक **एचएसबीसी (1987, मुंबई)** है
- संयुक्त स्टॉक सार्वजनिक बैंक वाला पहला बैंक (सबसे पुराना) **इलाहाबाद बैंक** है
- पहला यूनिवर्सल बैंक **आईसीआईसीआई (इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया)** है।
- बचत खाता शुरू करने वाला पहला बैंक **प्रेसीडेंसी बैंक (1833)** है।
- चेक सिस्टम शुरू करने वाला पहला बैंक **बंगाल बैंक** है **(1833)**
- इंटरनेट बैंकिंग सुविधा देने वाला पहला बैंक **आईसीआईसीआई** है
- म्यूचुअल फंड बेचने वाला पहला बैंक **भारतीय स्टेट बैंक** है
- क्रेडिट कार्ड जारी करने वाला पहला बैंक **सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया** है
- पहला डिजिटल बैंक **डिजीबैंक** है
- पहला ग्रामीण क्षेत्रीय बैंक **(ग्रामीण बैंक)** प्रथम बैंक **(सिंडिकेट बैंक द्वारा प्रायोजित)** है
- 'सैद्धांतिक' बैंकिंग लाइसेंस प्राप्त करने वाला पहला बैंक **आईडीएफसी** और **बंधन बैंक** है
- भारत में मर्चेंट बैंकिंग शुरू करने वाला पहला बैंक **ग्राइंड लेज बैंक** है
- ब्लॉकचेन तकनीक पेश करने वाला पहला बैंक **आईसीआईसीआई** है
- वॉयस बायोमेट्रिक पेश करने वाला पहला बैंक **सिटी बैंक** है
- बैंकिंग सेवा में रोबोट पेश करने वाला पहला बैंक **एचडीएफसी** है।
- विदेश में शाखा खोलने वाला प्रथम भारतीय बैंक **बैंक ऑफ इंडिया** है।